c. वि lucere, splendere. R. Schl. II. 13. 10.

2. भास् *f.* (r. भास्) splendor. Bh. 10. 12.

भासुर (r. भास् s. उर) lucidus, splendidus. Ragh. 5. 30.

भास्कर *m.* (lucem faciens e भास् et कर) sol. In. 1. 29.

भास्वत् (a भास् s. वत्) luminosus. Bh. 10. 12.

भास्वर (r. भास् s. वर) *id.* A. 10. 2.

भिक्ष् 1. *A.* mendicare. Man. 2. 184.: गुरोः कुले न भिक्षेत· *C. acc. pers. et rei.* Man. 2. 50.: मातरम् भिक्षेत भिक्षाम्; *c. ablat. pers.* Man. 11. 24.: न धनं शूद्राद् विप्रो भिक्षेत· (Fortasse भिक्ष् e *Desid.* बिभक्ष् ejectâ mediâ syllabâ et regressâ aspiratione, cf. e. c. शिक्ष् pro शिशक्ष्, लिप्स् pro लिलप्स्, v. gr. 552.)

भिक्षा *f.* (r. भिक्ष् s. आ) eleemosyna. Hit. 27. 12.

भिक्षु *m.* (r. भिक्ष् s. उ) mendicus.

भिद् 7. *P. A.* भिनद्मि, भिन्दे findere, perforare. R. Schl. II. 80. 10.: बिभिदुर् भेदनीयांश्च तांस् तान् देशान्; Mah. 1. 1490.: तान् पक्षनखतुण्डाग्रैर् अभिनत्; Hit. 89. 21.: अतिशीतलम् अप्य् अम्भः किम् भिनत्ति न भूभृतः· *trop.* rumpere, violare. Sa. 4. 7.: व्रतम् भिन्धी 'ति वक्तुन् त्वान् ना 'स्मि शक्ताः; Ragh. 15. 94.: समयम् अभिनत्· — *Pass.* 1) findi, perforari. R. Schl. I. 28. 9.: भिद्येरन् दर्शनाद् अस्या भीरूणां हृदयानि· 2) differre, diversum esse. Ragh. 5. 37.: न कारणात् (a patre) स्वाद् बिभिदे कुमारः· भिन्न (gr. 607.) 1) fissus, perforatus. 2) diversus. Ragh. 2. 50. — *Caus.* 1) findere. R. Schl. I. 16. 23.: भेदयेयुर् द्रुमान्; Hit. ed. Ser. 80. 8.: अनयोर् महान् ... स्नेहः कथम् भेदयितुं शक्यः· 2) dissociare, abalienare, disjungere, discordes reddere. Mah. 1. 7399.: कुशलैर् विप्रैः ... कुन्तीपुत्रान् भेदयामः· 3) vincere. R. Schl. I. 64. 7.: रूपम् बह्वगुणाङ् कृत्वा ... तम् ऋषिङ् कौशिकं रम्भे भेदयस्व तपस्विनम्; Mah. 1. 5592.: भयेन भेदयेद् भीरुं, शूरम् अञ्जलिकर्मणा, लुब्धम् अर्थप्रदानेन· (Lat. *findo*; *fi-nis* e *fid-nis*? goth. *BIT* mordere, *beita, bait, bitum*; germ. vet. *BIZ* id.; huc etiam traxerim goth. *maita* abscindo, mutatâ labiali mediâ in nasalem ejusdem organi sicut e. c. in zend. *mrû* = scr. ब्रू dicere; Pottius apte confert gr. φείδομαι. E linguis celticis huc referri possent hib. *birin* «a little pin», mutato *d* in *r*, cf. भिल्, *bior* «a sharp point», *bioradh* «a piercing, pricking», *biorach* «sharp pointed» etc.; *fi* «piercing, wounding, fastning».)

c. अनु dissolvere. Mah. 2. 2483.: बद्धं सेतुम् को ऽनुभिन्द्याद् धमेच् छान्तञ्च पावकम्·

c. उत् erumpere. Ragh. 13. 21.: उद्भिन्नविद्युद्वलयो घनाः·

c. उत् praef. प्र *id.* Sak. 128. 18.: प्रोद्भिन्न·

c. निस् 1) effodere, *e. c. oculos.* Mah. 3. 10328.: काष्ठकेन ... निर्बिभेदा 'स्य लोचने· 2) *i. q. simpl.* R. Schl. I. 40. 15.: एकैकं योजनम् भूमेर् निर्भिन्दन्तः; II. 35. 4.: वाक्यवज्रैर् अनुपमैर् निर्भिन्दन्न् इव ... कैकेय्याः सर्वमर्माणि; Hit. 69. 12.: मदालस्येन निर्भिद्यते·

c. निस् praef. वि *i. q. simpl.* Mah. 3. 8551.

c. प्र *id.* प्रभिन्न ebrius, *de elephanto, tempore, quo coitum appetit* (v. प्रभिन्नकरट). Dr. 5. 5.

c. प्रति *i. q. simpl.* Dr. 6. 15.: कस्य कायम् प्रतिभिद्य घोरा महीम् प्रवेक्ष्यन्ति शिताः शराग्र्याः· — *trop.* Ragh. 19. 22.: प्रत्यभैत्सुर् अवदन्त्य एव तम् ... अश्रुभिः·

c. वि *id.* Mah. 3. 709.: तस्य मर्म विभिद्य स बाणः· — *Caus.* disjungere, alienare. R. Schl. II. 7. 18.: कैकेयीं ... रामाद् विभेदयिष्यन्ती·

भिन्न v. भिद् (gr. 607.).

भिल् 10. *P.* findere. (Cf. भिद्, unde भिल् mutato द् in ल्; germ. vet. *billi*, anglo-sax. *bill*, sax. vet. *bil* ensis, v. Graff. 3. 95.)

भिषज् *m.* medicus. N. 9. 29.

1. भी 3. *P.* बिभेमि (in formis puris tempp. specialium ई ante conson. corripi potest, Pan. VI. 4. 115.; e. c. Man. 4. 191.: बिभियात् pro बिभीयात्) timere, *c. abl.* H. 3. 17.: न बिभेषि हिडिम्बे किम् मत् कोपात्; Mah. 3. 11479.: मा भैष्ट राक्षसान् मूढात्· — मा भैस् pro मा भैषीस्, H. 3. 7. N. 14. 3. — Etiam मा भैषीस्, R. Schl. I. 59. 2. 64. 5. — *C. gen.* R. Schl. I. 1. 4.: कस्य बिभ्यति देवाः; N. 12. 11.: न 'बिभ्यत् ... कस्यचित्